नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

बालशौरि रेड्डी को दी श्रद्धांजलि

वर्धा दि. 21 सितंबर 2015: दक्षिण भारत के प्रतिष्ठित हिंदी साहित्यकार, तेलुगु भाषी बालशौरि रेड्डी के निधन पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में शोकसभा रखी गयी जिसमें रेड्डी को श्रद्धांलजि दी गयी।

उनका पिछली 15 तारीख को आकस्मिक निधन हो गया था। रेड्डी जी हिंदी के ख्यातनाम हस्ताक्षर थे। उनके योगदान में शताधिक पुस्तकें हैं जिनमें 14 मौलिक उपन्यास, आलोचनात्मक कृतियाँ, अनूदित कृतियाँ शामिल हैं। उपन्यासकार एवं कथाकार के अलावा हिंदी सेवी के रूप में बालशौरि रेड्डी उत्तर-दक्षिण के असंख्य पाठकों, साहित्यकारों के बीच में सुख्यात हैं। 10 से 12 तक भोपाल में संपन्न 10 वें विश्व हिंदी सम्मेलन में शामिल होकर वे 13 की सुबह घर लौट आए थे। दि. 26 से 28 तक गोवा में प्रस्तावित सूर्य संस्थान, नोएडा की अंतर्भारती भाषा समन्वय संगोष्ठी एवं भारतीय भाषा सम्मान समारोह में समापन सत्र की अध्यक्षता उन्हें करनी थी, और इन पंक्तियों के लेखक के साथ उन्हें 25 की शाम चेन्नई से इंडियन एयरलाइन्स के विमान में गोवा कार्यक्रम के लिए प्रस्थान करना था। रेड्डी का जन्म 1 जुलाई 1928 को आंध्र प्रदेश के कडपा जिला गोल्लल गूड्डूर में हुआ था। हिंदी नई कविता आंदोलन के सशक्त हस्ताक्षर रहे जगदीश चतुर्वेदी को भी उनके निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। उनके कई कविता संग्रह प्रकाशित हुए थे तथा उनका 'कनाट प्लेस' नामक उपन्यास खासा चर्चित रहा था1